

नाम न्यायालय

केस संख्या

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	न्यायात
	<p>30/7/18</p> <p>कि. हिरौली</p> <p>Trd. by</p> <p>30/7/18</p>	<p>आज महु प्रमालनी नकील वाडी हाडा मूल वाद में प्राप्पन प्रसुरत वान पर तलव की गडी प्रादीना ह्येप अपनी प्रादीना की पहचान करील प्रकी की नको वास हादा की गडी मूल वाद विद्ने किना जा चुका ह इसलिए अब इस प्राप्पन प्रि. को आगे चलाने का कोई आदिप नही है। अतः प्राप्पन अस्साई कि प्रेयका भी खातिज किना जाना है। प्रमालनी दिसल अकार लेक करि नकर स करा है।</p>	<p>प्रार्थना</p> <p>देव</p> <p>रि</p> <p>डी</p>